प्ररूप–26

(निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का नियम 4क देखिये)

वाराणसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधान परिषद (सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग–क

मैं सुरेन्द्र पाठक पुत्र/पुत्री/पत्नी विश्वव्रत आयु 48 वर्ष जो ग्रा० + पो० थानागद्दी जि० जौनपुर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ/शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :–

1. मैं स्वतन्त्र (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

2. मेरा नाम सुरेन्द्र पाठक (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग संख्या 196 के क्रम सं० 681 पर प्रविष्ट हैं।

3. मेरा सम्पर्क टेलीफोन नम्बर 9648505961 है/हैं और मेरा ईं–मेल आईडी (यदि कोई हो तो) नहीं लागू है।

4. स्थायी लेखा सख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्र०सं०	नाम		पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अन्तिम आयकर विवरणी फाइल की गयी है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
1.	स्वयं	सुरेन्द्र पाठक	शून्य	शून्य	शून्य
2.	पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3.	आश्रित–1	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4.	आश्रित–2	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	आश्रित–3	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA
W 5-3-14

सुरेन्द्र पाठक

To V.K.Singh 5-3-14

मै ऐसे किसी लम्बित मामलें में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधो) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें क्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं। शून्य

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी।

(i) निम्नलिखित मामला (मामलें) मेरे विरूद्ध लम्बित हैं, जिसमें दो वर्ष या अधिक के क़ारावास से दण्डनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं :- शून्य

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित सम्बन्धित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण व्यौरे	शून्य
(ख)	सम्बन्धित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराए) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है।	शून्य
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शून्य
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचनां की गई	शून्य
(ड)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किये गये थे	शून्य
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गयी है/हैं	शून्य

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लम्बित हैं/हैं, जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है [पूर्वोक्त मद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न] :-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	लागू नहीं
(ख)	उन मामलों के व्यौरे जहाँ न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराए) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	लागू नहीं
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हो) के व्यौरे	लागू नहीं

6- मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951(1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधो) से भिन्न के लिये सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादिष्ट दिया गया है/नहीं दिया गया है शून्य

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेंगा

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा करावास का दण्डादेश दिया गया है :- शून्य

(क)	उन मामलों के व्यौरे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराए) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	लागू नहीं
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	लागू नहीं
(ग)	अधिरोपित दण्ड	लागू नहीं
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरूद्ध कोई अपील फाइल की गयी थी/है। यदि हाँ तो अपील के व्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	लागू नहीं

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

V.K. Singh 5-3-14

मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

क– जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण–1 संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण–2 जमा/विनिधान की दशा में कम सं0, रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण–3 सूचीबद्ध कम्पनियों के सम्बन्ध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कम्पनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण–4 यहाँ आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण–5 रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के सम्बन्ध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क0 सं0	विवरण	स्वंय	पति/पत्नी के नाम	आश्रित–1 के नाम	आश्रित–2 के नाम	आश्रित–3 आदि के नाम
(i)	हाथ में नकदी	7,000	10,000	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं) वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम।	50,000	4,000	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कम्पनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बन्धपत्रों, डिबेचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाक घर या बीमा कम्पनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कम्पनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियो से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटरयान/वायुयान/वोट/पोत (मेक रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुए) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियों जैसेकि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	समग्र कुल मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

V.K. Singh

5-3-14

स्थावर आस्तियों के ब्यौरे –

टिप्पण–1 संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण–2 प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्र0 सं0	विवरण	स्वंय	पति/पत्नी के नाम	आश्रित–1 के नाम	आश्रित–2 के नाम	आश्रित–3 आदि के नाम
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियॉ) सर्वेक्षण सं0 (संख्याए)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्रफल (एकड़ में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है? (हॉ या नहीं)	नही	नही	नही	नही	नही
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, स्वनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	गैर–कृषि भूमि अवस्थिति (अवस्थितियॉ) सर्वेक्षण सं0 (संख्याए)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत आई सम्पत्ति है? (हॉ या नहीं)	नही	नही	नही	नही	नही
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

V.K. Singh

5-3-14

	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थियाँ) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याए)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है (हॉ या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वअर्जित सम्पत्ति की दशा में कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से सम्पत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्यांक (संख्याए) सर्वेक्षण सं0	अर्धा आबादी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	3500 वर्गफिट	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्गफुट में कुल माप)	3500 वर्गफिट	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई सम्पत्ति है (हॉ या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वअर्जित सम्पत्ति की दशा में कय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कय के समय भूमि की लागत (कय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, सनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

To V.K.Singh 5-3-14

	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	90,000/-	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(v)	अन्य (जैसेकि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	11,35000/ मात्र	50,000	शून्य	शून्य	शून्य

8– मैं लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शेध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–
(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दे)

क्र0 सं0	विवरण	स्वंय	पति/पत्नी के नाम	आश्रित–1 के नाम	आश्रित–2 के नाम	आश्रित–3 आदि के नाम
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था/संस्थानों को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	लागू नहीं लागू नहीं	लागू नहीं लागू नहीं	लागू नहीं लागू नहीं	लागू नहीं लागू नहीं	लागू नहीं लागू नहीं
	कोई अन्य दायित्व	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	दायित्वों का कुल योग	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii)	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	टेलीफोन / मोबाइल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकॉप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	आयकर शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	धन कर शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

Is
V.K. Singh
5-3-14

	सेवा कर शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विक्रय कर शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	कोई अन्य शोध्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iii)	सभी सरकारी शोध्यो का कुल योग–	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हॉ तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

9– वृत्ति या उपजिविका के व्यौरे :

क. स्वयं अध्यापन कार्य - आ० रा०वि० इण्टर कालेज चौलापुर (-वा०/०/०)

ख. पति या पत्नी गृहिणी

10– मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है :–

बी.ए. सम्पूर्णशास्त्री - वर्ष 1984

शिक्षाशास्त्री वर्ष-1986

आचार्य - वर्ष 1991

(प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुये उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा का व्यौरे देते हुये विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्क्रम पूरा किया गया था, का व्यौरा दें)

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5-314 GOVT OF INDIA

भाग–ख

11– भाग–क के (1) से (10) तक में दिये गये व्यौरों का उद्धरण :

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कुमारी सुरेन्द्र पाठक
2	डाक का पूरा पता	ग्रा+पो० [illegible] जि० जौनपुर
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	स्वतन्त्र
5	(क) ऐसे लम्बित गामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दण्डनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किये गये हैं।	लागू नहीं

सुरेन्द्र पाठक

V.K. Singh 5-314

	(ख) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (ऊपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न	लागू नहीं
6.	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दण्डित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उप धारा (1) उपधारा (2) या उप धारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	लागू नहीं

7.		.... का स्थायी लेखा संख्या	वह वर्ष जिसके लिए अन्तिम आयकर विवरणी फाइल की गयी है	कुल दर्शित आय
(क)	अभ्यर्थी	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	पति या पत्नी	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8. आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)

		विवरण	स्वयं	पति/पत्नी	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क		जंगम आस्तियाँ (कुल मूल्य)	2,35000	58,000	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
ख		स्थावर आस्तियाँ					
	(i)	स्वार्जित स्थावर सम्पत्ति की क्रय कीमत	9,00000	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	(ii)	क्रय के पश्चात स्थावर सम्पत्ति की विकास/सनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
		.... की	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	(iii)	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	400000	लागू नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	(क)	स्वार्जित आस्तियाँ (कुल मूल्य)	400000	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	(ख)	विरासती आस्तियाँ (कुल मूल्य)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
9.	दायित्व :						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	(ii)	बैंक वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
10.		ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं		नहीं			
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	लागू नहीं शून्य	लागू शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 527 GOVT OF INDIA 5-3-14

सुरेश पाठक

V.K. Singh 5-3-14

उच्चतम शैक्षिक अर्हता :

आचार्य — साहित्य।
श्री वेंकटेश पराङ्कुश संस्कृत महाविद्यालय अस्सी वाराणसी

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुये उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें।)

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथ पत्र की विषयवस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :–

क– मेरे विरूद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लम्बित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लम्बित मामला नहीं है।

ख– मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग–क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं हैं।

NOTARY V.K. Singh Varanasi Regd No. 5273 GOVT OF INDIA

सुरेन्द्र पाठक

आज तारीख 5/3/14 का सत्यापित किया गया।

Solemanly affirmed and declaired before me on. 5-3-14 At 12/30 Am/Pm the Deponent who is Identified by. V. K. Singh Adv

V. K. Singh
NOTARY Varanasi (U.P.)

अभिसाक्षी

टिप्पण:

1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3.00 बजे अपरान्ह तक फाइल किया जाना चाहिए।
2. शपथपत्र पर किसी शपथकमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।
3. सभी स्तम्भों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तम्भ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के सम्बन्ध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो यथा स्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।
4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।